Dopahar Ka Samna, June 1994, Mumbai

प्रयोगधर्मी गणितज्ञ आनंद

केशव शर्मा/मुंबई

पटना के एक छात्र आनंद कुमार की गणित के क्षेत्र में प्राकृतिक संख्याओं के गुणे से संबंधित एक नई खोज ने पूरे देश को गौरवांतित कर दिया है।

स्नातकोत्तर में अध्ययनरत छात्र आनंद कुमार का एक शोध पत्र गणित की एक शोध पत्रिका बोना मैथमेटिका में प्रकाशित हुआ। यह शोध पत्रिका इंग्लैंड से प्रकाशित होती है। इस शोध पत्र में संख्याओं के मौलिक गुणों से संबंधित एक नए प्रकार की खोज के बारे में बतलाया गया है। इस शोध पत्र के प्रकाशित होने पर आनंद कुमार को 'कैंब्रिज विश्वविद्यालय' ने अपने यहां आमंत्रित किया है। पर आर्थिक अभाव के कारण आनंद अपनी उच्च शिक्षा के बारे में शंकित हो चले हैं।

एक भेंट के दौरान आनंद कुमार ने जानकारी दी कि प्रारंभ में वे गणित विषय में ज्यादा रुचि नहीं रखते थे पर बाद में मां-पिता व मित्रों के प्रोत्साहन से गणित के अध्ययन में उनकी तीव्र रुचि हो गई। इसके पूर्व उन्हें इलेक्ट्रानिक्स में रुचि थी।

आनंद बताते हैं कि 'संख्याओं के सिद्धांत' के बारे में सबसे पहले उन्हें पटना साइंस कालेज के विभागाध्यक्ष डी बी वर्मा ने जानकारी दी थी। उनके शोध 'द मैथमेटिकल गजट (लंदन)',

'मैथमेटिकल एम्सपेक्ट ट्रंप', 'थेफील्स यू के' जैसी प्रसिद्ध शोध पत्रिकाओं में भी प्रकाशित हुई हैं। उन्हें कई प्रासेद्ध विश्वविद्यालयों में भी आमंत्रित किया गया है।

आनंद ने अपनी पूरी शिक्षा पटना में ही की है। परिवार में मां पिता के अलावा उनका एक छोटा भाई भी है। गणित के अलावा इनकी संगीत में भी रुचि है।

आनंद बताते हैं कि अपनी आर्थिक समस्या व उपलब्धि को लेकर वे मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा संस्थानों तथा शिक्षा मंत्री इत्यादि से संपर्क कर चुके हैं, पर आश्वासनों के सिवा उन्हें कुछ नहीं मिला। वे आगे उच्च अध्ययन तथा गणित विषय पर कार्य करना चाहते हैं, पर पैसों की तंगी उन्हें निराश कर रही है।

फिलहाल आनंद पटना में एक निःशुल्क स्कूल चला रहे हैं, तथा किसी ऐसे व्यक्ति कंपनी या संस्था की तलाश कर रहे हैं जो उनकी आर्थिक मदद कर सकें। क्या उनकी यह तलाश पूरी होगी तथा शिक्षाविद् ध्यान देंगे। कही बिहार में वशिष्ठ नारायण सिंह की श्रृंखला में एक नाम और तो नही जुड़ जायेगा।

दोपहर का सामना